मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHN–005

एम. ए. (हिन्दू अध्ययन)

(एम.ए.एच.एन.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एच.एन.-005 : धर्म एवं कर्म-विमर्श

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***हिन्दी*** *अथवा* ***अंग्रेजी*** *अथवा* ***संस्कृत*** *में से किसी एक भाषा में उत्तर दीजिए।*

खण्ड—अ

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।* 3×20=60

1. रामायण के अनुसार धर्म का विश्लेषण कीजिए।
2. वेद व्याख्या में मीमांसा का महत्व बताइए।
3. ऋत के दैवीय तथा मानवीय गुणों का वर्णन कीजिए।

4. अकर्म की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।
5. शास्त्रविहित कर्मों का वर्णन कीजिए।
6. भगवद्गीता के अनुसार निष्काम-कर्म का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ब

निर्देश : *अधोलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* $4 \times 10 = 40$

1. वेदान्त में वर्णित षड्कर्म का वर्णन कीजिए।
2. यज्ञकर्म पर प्रकाश डालिए।
3. क्रियमाण कर्म का विस्तार से वर्णन कीजिए।
4. वेदान्त के अनुसार जीव का वर्णन कीजिए।
5. बौद्ध दर्शन में बन्धन विचार पर प्रकाश डालिए।
6. प्रारिम्भक गुप्तकालीन मंदिरों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
7. गया तीर्थ श्राद्ध पर टिप्पणी लिखिए।

× × × × ×